यूपी बनेगा फार्मा, बायोटेक व हेल्थ टेक का राष्ट्रीय केंद्र

- उप्र प्रमोट फार्मा काउंसिल ने टीएचएसटीआइ और आइआइटी बीएचयू के साथ किया करार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ, जागरण: प्रदेश सरकार ने फार्मास्यूटिकल्स, बायोटेक्नोलाजी और मेडिकल डिवाइस सेक्टर के विकास के लिए बड़ी पहल की है। उत्तर प्रदेश प्रमोट फार्मा काउंसिल ने शुक्रवार को लाल बहादुर शास्त्री भवन में आयोजित कार्यक्रम में फरीदाबाद के ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलाजी इंस्टीट्यूट और आइआइटी बीएचयू के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य अनुसंधान, विकास, उत्पाद निर्माण, तकनीकी हस्तांतरण, स्टार्टअप संवर्धन, कौशल विकास और नीति निर्माण के सभी पहलुओं को एकीकृत करना है।

चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब फार्मा और हेल्थ-टेक क्षेत्र में देश का नेतृत्व करने को तैयार है। यह समझौते इसी दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होंगे। टीएचएसटीआइ और आइआइटी बीएचयू के अधिकारियों ने कहा कि प्रदेश सरकार के साथ यह सहयोग फार्मा, बायोटेक और हेल्थकेयर प्रौद्योगिकी में अनुसंधान, नवाचार, गुणवत्तापरक उत्पाद निर्माण, प्रशिक्षण कार्यक्रम और उभरते हुए स्टार्टअप को समर्थन देने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। फार्मा क्षेत्र विशेषज्ञ डा. जीएन सिंह ने कहा कि इन संस्थानों के सहयोग से अनुसंधान और नवाचार की नई दिशा तय होगी। मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा कि यह समझौते बल्क ड्रग पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। यमुना एक्सप्रेसवे में नया मेडिकल डिवाइस पार्क बनाने और ललितपुर में ड्रग्स निर्माण के लिए तेजी से कार्य किया जाएगा। प्रमोट फार्मा काउंसिल की प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृतिका शर्मा ने कहा कि इन समझौतों के माध्यम से हम प्रदेश को इनोवेशन हब बनाने की दिशा में संगठित और सशक्त कदम बढ़ा रहे हैं। चिकित्सा शिक्षा की सचिव अपर्णा यू, आइआइटी बीएचयू के सुशांत कुमार श्रीवास्तव, प्रो. राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।